समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई घायल ? US-इजरायल हमलों के बीच रहस्यमय तरीके से गायब, बढ़ी वैश्विक चिंता

Sanket Morankar Published on 11 Mar 2026

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच ईरान की सत्ता के शीर्ष पर भी रहस्य और तनाव गहराता जा रहा है। एक ओर क्षेत्र में हमले लगातार तेज होते जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान के नए सुप्रीम लीडर Mojtaba Khamenei को लेकर कई तरह की अटकलें सामने आ रही हैं। हाल ही में आई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अमेरिका और इजरायल के हमलों के दौरान वह घायल हो गए थे। हालांकि ईरान की सरकार ने उन्हें सुरक्षित बताया है, लेकिन उनके सार्वजनिक रूप से सामने न आने से सवाल लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान पर पहले दिन हुए हमलों के दौरान मोजतबा खामेनेई को चोट लगी थी। यह जानकारी ईरान के राष्ट्रपति के बेटे Yousef Pezeshkian ने दी। उन्होंने कहा कि चोट लगने के बावजूद खामेनेई सुरक्षित हैं और उनकी स्थिति स्थिर है।

हालांकि इस बयान के अलावा ईरान की सरकार या खामेनेई के कार्यालय की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। यही वजह है कि उनके स्वास्थ्य और ठिकाने को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

सत्ता संभालने के बाद से मोजतबा खामेनेई ने अभी तक कोई सार्वजनिक भाषण नहीं दिया है और न ही किसी बड़े कार्यक्रम में दिखाई दिए हैं। उनके कार्यालय की ओर से भी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध के बीच शीर्ष नेतृत्व की इस तरह की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि सुरक्षा कारणों से उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखा गया हो सकता है, जबकि कुछ लोग यह भी मान रहे हैं कि उनकी चोट अपेक्षा से ज्यादा गंभीर हो सकती है।

दरअसल मिडिल ईस्ट में पिछले कुछ दिनों से युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। Iran और Israel के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा

है, जबकि United States भी इस संघर्ष में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस संघर्ष का असर पूरे खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा पर पड़ सकता है। कई रणनीतिक शहर और महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने संभावित हमलों के निशाने पर हो सकते हैं।

इसी बीच खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता तब पैदा हो गई जब Dubai International Airport के पास दो ड्रोन गिरने की घटना सामने आई।

इस घटना में भारत, घाना और बांग्लादेश के नागरिकों समेत चार लोग घायल हो गए। हालांकि स्थानीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन सामान्य रूप से जारी है और सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच कर रही हैं।

दुबई जैसे वैश्विक हवाई केंद्र के पास इस तरह की घटना ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि क्षेत्रीय संघर्ष और बढ़ता है तो खाड़ी क्षेत्र के बड़े शहर और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे भी खतरे के दायरे में आ सकते हैं।

मिडिल ईस्ट लंबे समय से भू-राजनीतिक संघर्षों का केंद्र रहा है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने इस क्षेत्र में अस्थिरता को और बढ़ा दिया है। ईरान के शीर्ष नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवाल, सैन्य हमलों की बढ़ती घटनाएं और खाड़ी क्षेत्र में ड्रोन गतिविधियां वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर संकेत मानी जा रही हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है, तो इसका असर केवल मिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी पड़ सकता है।

फिलहाल मोजतबा खामेनेई की स्थिति को लेकर आधिकारिक तौर पर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। सरकार का कहना है कि वह सुरक्षित हैं, लेकिन उनका सार्वजनिक रूप से सामने न आना और लगातार सामने आ रही रिपोर्टें इस मामले को और रहस्यमय बना रही हैं।

आने वाले दिनों में यदि ईरान की ओर से कोई स्पष्ट बयान या सार्वजनिक उपस्थिति सामने आती है, तो इस पूरे घटनाक्रम पर लगे सवालों का जवाब मिल सकता है। फिलहाल मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष और ईरान के नए सुप्रीम लीडर की स्थिति अंतरराष्ट्रीय राजनीति का बड़ा मुद्दा बन चुकी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.